

1/10  
19

प्राणजी पैरा दुई। वादी व उगले सुधीकमा।  
अपान्ने गद्दी। वर-२ डायन गगद्दी गद्दी।  
कोई अपान्ने गद्दी। वादी संव उगले वपान्ने  
को अनुपादिते में वाद डायन डायनी व डायन -  
पैरा में स्वार्थि लिपि जादा है। प्राणजी पैरा  
शुभर डेकर गेकर सेका से तथा वाद (प्राणजी)  
केव गद्दी है।

